गाँव का युवा गाँव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर ई-मित्र व ऑनलाइन क्लासेज़ की सुविधाएं विकसित करें

जयपुर, 4 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब पंचायत स्तर पर ही आधुनिक लाइब्रेरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। राज्य सरकार की मंशा है कि गांव का युवा गांव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सके, इसके लिए अटल ज्ञान केन्द्रों को समुचित मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि युवाओं को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएं तथा डिजिटल संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, इन केन्द्रों पर ई-मित्र सेवाएं एवं ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा भी विकसित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के नवीन भवनों के निर्माण में गुणवत्ता एवं उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रत्येक केन्द्र का मानक नक्शा (मॉडल डिजाइन) तैयार कर उसे मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने स्वायत्त शासन विभाग को अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए एकीकृत कंट्रोल रूम मॉडल को सुदृढ़ीकरण के साथ अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जयपुर को स्मार्ट मैनेजमेंट और उन्नत तकनीक आधारित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किए जाए, जिससे स्वच्छता, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सुरक्षा को नई मजबूती मिल सकें।

शर्मा ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवरेज कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी से लागत बढ़ती है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी विकास कार्य में देरी

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी निर्देश दिए कि मानसून से पहले सीवरेज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढों व क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत करें ताकि आमजन को बारिश के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

के लिए जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व सीवरेज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढ़ों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत की जाए, ताकि आमजन को बारिश के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इस दौरान उन्होंने एफएसटीपी एवं शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट्स लगाए जाने के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, नगरीय विकास, स्वायत शासन एवं पंचायतीराज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

ईरान ने तैनात किया नया एयर डिफेंस

तेहरान, 04 अप्रैल। ईरान ने क्षेत्र में जारी सैन्य तनाव के बीच अपनी रक्षा रणनीति को मजबूत करते हुए नया एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने का दावा किया है।

ईरानी सेना के अनुसार, इस आधुनिक प्रणाली का उद्देश्य देश की हवाई सुरक्षा क्षमता को बढ़ ाना और दुश्मन के लड़ाकू विमानों को रोकना है।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमांड ख़तम अल-अंबिया वायु रक्षा बेस ने

■ ईरान ने दावा किया वह जल्दी ही अपने एयर स्पेस पर नियंत्रण हासिल कर लेगा।

कहा कि यह नया सिस्टम हाल ही में तैनात किया गया है और इसका इस्तेमाल अमेरिकी लड़ाकू विमान को निशाना बनाने के लिए भी किया गया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईरानी सेना का कहना है कि एक महीने से अधिक समय से जारी अमेरिका-इज़रायल के हवाई हमलों के बावजूद वह जल्द ही अपने एयरस्पेस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगा।

जोधपुर की पॉश सोसायटी के फ्लैट में मिनी ड्रग फैक्ट्री पकड़ी

एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स ने छापे में दो करोड़ रूपए की एमडी ड्रग, नशीली गोलियाँ व उपकरण जब्त किए

जोधपुर, 4 अप्रेल (कासं)। प्रदेश में नशे के सौदागरों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जोधपुर की पॉश सोसाइटी आशापूर्णा प्लेटिनम के एक फ्लैट में चल रही मिनी ड्रग फैक्टरी का भी भंडाफोड़ किया है। इस रेड में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपये से अधिक कीमत की एमडी ड्रग, नशीली गोलियां और उपकरण बरामद किए हैं। इस पूरे ऑपरेशन की रूपरेखा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में तैयार की गई थी। एसपी ज्ञानचंद यादव और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में टीमों को सक्रिय किया गया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक राकेश जाखड़ व कांस्टेबल सुमेर सिंह की सटीक सूचनाओं ने इस ड्रग फैक्टरी के केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता साफ किया।

मामले की शुरुआत दो अप्रैल को गणपतराम विश्नोई की गिरफ्तारी से हुई।

■ दो अप्रेल को पकड़े गए मकान की छत पर ड्रग फैक्ट्री चलाने वाले गणपत राम से प्राप्त जानकारी पर ड्रग कारोबार के मास्टर माइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम के आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नम्बर यूए 803 पर छापा मारकर एजीटीएफ ने ये सफलता प्राप्त की

बनाड़ क्षेत्र में एजीटीएफ ने आरोपी की मकान की छत पर बनी एक अन्य ड्रग फैक्टरी का खुलासा करते हुए तीन किलो से अधिक एमडी और 55 किलो से अधिक केमिकल बरामद किया था। पुलिस कस्टडी में गणपतराम ने खुलासा किया कि वह तो महज एक मोहरा है, असली मास्टरमाइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम उर्फ लक्की है, जो अपनी पहचान छुपाकर आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नंबर यूए 803 में एक महिला के साथ रहता है और सफेद जहर तैयार कर रहा है।

जब पुलिस टीम ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा तो अंदर अलमारी में रखा एक यूएमएमएयूएल लिखा बैग बरामद हुआ। इस बैग के अंदर नशे का जखीरा था। मौके पर बुलाई गई एफएसएल और एनसीबी की टीमों ने पुष्टि की कि बरामद सामान न केवल घातक एमडी ड्रग है, बल्कि उसमें उच्च गुणवत्ता वाला केमिकल भी शामिल है। पुलिस ने 366 ग्राम शुद्ध एमडी बरामद की। इसके साथ ही, 1.178 किलोग्राम ऐसा संदिग्ध केमिकल और पाउडर मिला, जो तैयार एमडी से भी अधिक उच्च श्रेणी का था। अल्ट्राटेक सीमेंट की पीली टेप से लिपटे पैकेटों और जीपर पाउच में 2000 से अधिक कुल 3.663 किलोग्राम नशीली गोलियां बरामद हुईं। मौके से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, टेप रोल और आरोपी के बच्चों के आधार कार्ड सहित, कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए।

दिल्ली में एक बार फिर ''कृत्रिम बारिश'' का प्रयास होगा

गत वर्ष भी आईआईटी कानपुर के सहयोग से यह प्रयास किया गया था, पर, असफल रहा था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। जैसे-जैसे दिल्ली लगातार वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, अधिकारियों ने फिर से कृत्रिम बारिश की ओर रुख करने पर विचार किया है। आईआईटी कानपुर ने अप्रैल से जून के बीच क्लाउड सीडिंग (बादल बौछार) परीक्षण करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुमति मांगी है।

क्लाउड सीडिंग परियोजना को पिछले साल पहली बार दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर ने मिलकर शुरु किया गया था। यह एक आपातकालीन उपाय के रूप में प्रदूषण के उच्च स्तर के समय लागू किया गया, और इसे एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया।

असामान्य मौसम और नियामक अनुमतियों के कारण हुई महीनों की देरी के बाद, अक्टूबर 2025 के अंत में दो दौर के परीक्षण किए गए। ऑपरेशन में

■ पर, दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने का ''कृत्रिम बारिश'' ही प्रभावी तरीका माना जाता है। अतः, एक बार फिर अप्रैल व जून में यह कोशिश की जाएगी।

इस्तेमाल किए गए विमानों में विशेष रूप से सुसज्जित ''सेसना'' विमान भी शामिल था, जिसने दिल्ली के कुछ हिस्सों में बादलों में सिल्वर आयोडाइड, आयोडाइज्ड नमक और रॉक सॉल्ट का मिश्रण छोड़ा, ताकि बारिश उत्पन्न हो और हवा में तैर रहे प्रदूषक जम सकें।

लेकिन यह प्रयास सफल नहीं रहा।

आईआईटी कानपुर ने अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट में कहा कि प्राप्त परिणाम का कारण बादलों में नमी की कम मात्रा थी और परिस्थितियाँ वर्षा के अनुकूल नहीं थी। विशेषज्ञ लगातार यह रेखांकित करते रहे ह ैं कि क्लाउड सीडिंग बादल नहीं बना सकती, यह केवल तब काम करती है, जब पर्याप्त बादल और आर्द्रता मौजूद हों।

सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि उन परिणामों के बाद, इस साल की शुरुआत में दिल्ली में एक और दौर के परीक्षण किए गए।

जहाँ अधिकारी इस विकल्प को आगे भी काम में लेना चाह रहे हैं, वहीं विशेषज्ञ इसे केवल एक अल्पकालिक, सहायक उपाय मानते हैं, जो प्रदूषण से केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकता है और केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही प्रभावी होता है।

क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है, जिसमें सिल्वर आयोडाइड या नमक जैसे पदार्थ मौजूदा बादलों में फैलाए जाते हैं, ताकि वर्षा बढ़ सके। ये कण नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, पानी की बूंदों के निर्माण में मदद करते हैं, जिससे बारिश हो सकती है।

भाजपा कार्यालय पर हमले में 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़ , 04 अप्रैल। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेक्टर-37 स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक

■ सभी पांच आरोपियों के तार पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल से बताए जा रहे हैं।

.30 बोर जिगाना पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शम्मी (गांव माजरी, एसबीएस नगर), जसवीर सिंह उर्फ जस्सी (गांव भरापुर, एसबीएस नगर), चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी (गांव सुजावलपुर, एसबीएस नगर), रूबल चौहान (गांव ठाणा, शिमला) और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा (धूरी, संगरूर) के रूप में हुई है।

'केजरीवाल पर चड्ढा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता ने उन्हें, औपचारिक या अनौपचारिक रूप से, हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

सांसद ने कहा कि संसद में उनका ध्यान जनता के मुद्दों, जैसे जीएसटी, आयकर, दिल्ली में वायु प्रदूषण, पंजाब में जल समस्याएँ, सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे यात्री मुद्दे, मासिक धर्म एवं स्वास्थ्य, बेरोजगारी और महंगाई पर केन्द्रित रहा।

चड्ढा ने कहा कि वे संसद में ''प्रभाव पैदा करने के लिए जाते हैं, शोर मचाने के लिए नहीं'', क्योंकि संसद करदाताओं के पैसे पर चलती है और उनकी जिम्मेदारी है कि वे उनके मुद्दों को उजागर करें। उन्होंने कहा, हर झूठ उजागर किया जायेगा।''

''आप'' के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल को चड्ढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उकसाया गया, क्योंकि उनकी सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल के कारण वे बहुत लोकप्रिय हो रहे थे।

सूत्रों ने कहा, चड्ढ़ा के खिलाफ इस प्रतिशोध का कारण उन कई नेताओं की ईर्ष्या है, जिनकी बात केजरीवाल सुनते हैं।

उनकी फिल्म अभिनेत्री पत्नी परिणीति चोपड़ा से उन्हें वह प्रचार मिलता है, जो पार्टी के अन्य लोगों के पास नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण, उनके लिये कई दरवाजे स्वत: खुल जाते हैं।

भाजपा के बड़े नेता राघव को पार्टी में आने के लिये लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बताया जाता है कि वे इस समय वे कोई कदम नहीं उठाना चाहते। हालांकि वे गंभीरता से अपने भविष्य के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ईरान के खुज़ेस्तान में 6 पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमला

तेहरान, 04 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और इज़रायल ने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के खुज़ेस्तान प्रांत के कई पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमले कर उन्हें निशाना बनाया है। ?

महशहर इलाके में हुए इन हमलों में कम-से-कम 5 लोग घायल हुए हैं, जबकि कई औद्योगिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। ताजा घटनाक्रम ने क्षेत्र में पहले से जारी सैन्य तनाव को और बढ़ ा दिया है।

ईरान की सरकारी समाचार संस्था प्रेसईडी टीवी के अनुसार, शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:45 बजे अमेरिका और इजराइल ने ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुज़ेस्तान में मौजूद छह पेट्रोकेमिकल प्लांट को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें कम-से-कम पांच लोग घायल हो गए हैं।

■ हमले में 5 नागरिक घायल हो गए।

इसके अलावा महशहर शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में भी ये हमले किए गए।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, ईरान और इराक के बीच शालमचेह सीमा चौकी पर भी हमला किया गया। इस हमले से गंभीर नुकसान पहुंचा है।

शनिवार को जारी बयान में महशहर के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के जनसंपर्क विभाग ने कहा कि सभी कर्मचारियों को प्लांट से निकाल लिया गया है और क्षेत्र की बिजली काट दी गई है। बयान में कहा गया है कि आपातकालीन बचाव दल, चिकित्सा कर्मी और अग्निशमन विभाग कर्मी क्षेत्र में मौजूद हैं और स्थिति नियंत्रण में है।

अब तक का सबसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामिक भट्टाचार्य ममता बनर्जी और उनके वरिष्ठ पार्टी सदस्यों की तुलना में कहीं अधिक शिक्षित बंगाली हैं। वे अपने भाषणों में श्रेष्ठ बंगाली कविता का उपयोग करने में निपुण हैं। इस मामले में, वे बंगाल के पुराने राजनेताओं की परंपरा में आते हैं।

लेकिन सतही रूप से देखा जाए, तो बंगाल में चुनावी हिंसा और डराना-धमकाना 1977 में लेफ्ट फ्रंट के सत्ता में आने के बाद से ही प्रचलित है। केन्द्रीय बलों को तैनात किया गया है, फिर भी राज्य भर में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा डराने-धमकाने की कई घटनाएं हुई हैं।

टीएमसी के राजू मंडल ने मतदाताओं को डराने और उन्हें भाजपा के पक्ष में एक भी वोट डालने से रोकने के लिए घर-घर जाकर धमकाया। शिकायत मिलने पर, राजू मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत में ले लिया गया। लेकिन तृणमूल कांग्रेस की मददगार टीम ने तुरंत काम किया और राजू को जमानत मिल गई। तुरंत ही राजू अपने पुराने काम में लौट आए और धमकी भरे दौरे दोबारा शुरू कर दिए।

इसी तरह, माल्दा और मुर्शिदाबाद जिलों में तृणमूल कांग्रेस के कुछ गुंडे अत्यधिक सक्रिय हैं और रोज़ अपनी धमकियों को बदलते रहते हैं। प्रतिशोध और जान के डर से कोई उनके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कर रहा।

वर्तमान संकेतों के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि इस बार बंगाल का चुनाव अत्यधिक हिंसक होगा, जिसका नेतृत्व कोई और नहीं, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही करेंगी।

ओलावृष्टि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम बिगड़ सकता है। एक तरफ जहां देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश और आंधी की संभावना जताई गई है, वहीं ओडिशा में मौसम विभाग ने भीषण गर्मी और उमस को लेकर भी चेतावनी जारी की है।

मौसम की सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इसे प्राकृतिक आपदा करार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने के लिए कहा गया है। सरकार संकट की इस घड़ी में पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के 86 जवान मारे गए

बलोचिस्तान के सशस्त्र विद्रोही ही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने घटना का जिम्मा लिया

इस्लामाबाद, 04 अप्रैल। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर मुखर सशस्त्र विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 86 जवानों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए ने कहा कि सेना के कई रडार नष्ट कर दिए गये हैं। सैन्य काफिले, हवाई अड्डा और मौत के दस्ते पर हमले कर सुरक्षा बलों को पीछे हटने को मजबूर कर दिया गया।

■ संगठन ने एक्स पर एक वीडियो भी जारी किया, 14 मिनट के वीडियो में हमले की पूरी घटना दिखाई गई है।

''द बलोचिस्तान पोस्ट'' की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक्स पर वीडियो जारी किया है। यह वीडियो 14 मिनट का है। इस वीडियो में रडार प्रणालियों का विनाश, शम्सी एयरबेस पर रॉकेट से हमला, झाल मगसी पर हमले, सोराब और कुर्दगाप में सैन्य काफिलों पर हमले और कदन और मस्तुंग में सैन्य शिविरों पर हमले दिखाए गए हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि बीएलए ने दलबांदिन में खनन स्थल पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

नासिक में बड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुएं में गिर पड़ी।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। देर रात तक चले बचाव अभियान में कड़ी मशक्कत के बाद कार और शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद पुलिस ने कुएं के मालिक राजेंद्र राजे के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस घटना में मृतकों के परिवार के लोगों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन और मंत्री नरहरि झिरवल ने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। महाजन ने कहा कि इस घटना की जांच का भी आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है। साथ उन्होंने जिला प्रशासन को इस खतरनाक बन चुके कुएं को तत्काल बंद करने का भी आदेश दिया है। यही नही अब सरकार सडक किनारे स्थित सभी कुओं का सर्वे भी कराएगी।

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज याचिका को भी रद्द किया है। आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष व सदस्यों ने अपील में एकलपीठ की ओर से दिए फैसले में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की गुहार की थी।

असफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने परीक्षा रद्द करने की गुहार करते हुए कहा था कि आर.पी.एस.सी. के निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा ने परीक्षा से 35 दिन पहले तत्कालीन सदस्य रामूराम राइका को पेपर दिया था। कटारा ने अपने ड्राइवर के बेटे अजय प्रताप सिंह, रिश्तेदार विजय डामोर व राहुल कटारा, शिक्षक कुंदन, सहायक लेखाधिकारी संदीप कुमार व पुरुषोत्तम दाधीच, शिवसिंह एवं तत्कालीन पीएसओ राजकुमार यादव को भी पेपर दिया। राइका ने अपने बेटे-बेटी को यह पेपर दिया था। भर्ती में दोषियों की छंटनी मुश्किल है, इसलिए इसे रद्द किया जाए।

इसके विरोध में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, सफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर, वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा व वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया ने कहा कि पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ था और दोषियों की छंटनी संभव है। कुछ चयनित अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि वे पुरानी नौकरी छोड़कर आए थे और जांच में वे बेदाग निकले हैं, ऐसे में भर्ती रद्द करना ठीक नहीं है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में एस.ओ.जी. की जांच रिपोर्ट एक अभ्यर्थी द्वारा पेश किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे, क्योंकि यह रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थी। जिस पर कोर्ट ने कहा कि यह जनहित से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए यह बेहद छोटी-मोटी बातें है कि, जांच रिपोर्ट कहां मिली, कैसे मिली? यह देखने लायक बात है कि जांच रिपोर्ट में जो तथ्य है, वह बेहद जरूरी हैं और जनहित से जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा कि, एस.ओ.जी. ने इस भर्ती पेपरलीक मामले में 138 लोगों को गिरफ्तार किया है, 133 के खिलाफ चार्जशीट पेश हुई हैं, 85 लोग फरार हैं। इसके साथ ही 51 एस.आई. ट्रेनी हैं, जिन्होंने परीक्षा पास कर ली थी, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया। इस भर्ती परीक्षा को रद्द करवाने के लिए दायर मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने पैरवी की थी।

ट्रम्प का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी भी तरह का अवरोध अंतरराष्ट्रीय बाजार पर बड़ा असर डाल सकता है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि अगर ईरान ने इस मार्ग को खोलने में देरी की, तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इसी के साथ, ट्रम्प ने नाटो पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने गठबंधन को कमजोर और गैर-भरोसेमंद करार देते हुए कहा कि मौजूदा हालात में यह अपने दायित्वों को प्रभावी ढ ंग से निभाने में विफल रहा है।

ट्रम्प ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका नाटो के साथ अपने संबंधों की समीक्षा कर सकता है। उन्होंने ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव के दौरान कुछ सहयोगी देशों के रुख पर नाराजगी जताई।

केदारनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी 22 अप्रैल को कपाट खुलने की प्रस्तावित तिथि को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्य विनीत पोस्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि धाम में बीती शाम से ही बर्फबारी जारी है। जिन स्थानों से बर्फ हटाई गई थी, वहां फिर से बर्फ जम गई है, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लगातार बर्फबारी के चलते यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से तैयार करने में कठिनाई आ रही है।

उत्तराखंड में मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपद में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 3300 मीटर से उससे अधिक उत्तराखंड के शेष जनपदों के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश गरज व चमक के साथ हो सकती है। उत्तराखंड में मौसम विभाग ने उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जनपदों में गरज के साथ बारिश होने का अंदेशा जताया है।

होर्मुज़ स्ट्रेट से भारत के 8 जहाज सुरक्षित निकले दो और निकलने वाले हैं

इसे भारत की भारी कूटनीतिक सफलता के रुप में देखा जा रहा है

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। पश्चिम दिशा में जारी जंग के दौरान भारत के एलपीजी टैंकर ग्रीन सानवी ने सफलता पूर्वक होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर आज एक बार फिर देश को काफी राहत वाली खबर दी है। अमेरिका और इज़रायल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से होर्मुज़ स्ट्रेट के रास्ते गुजरने वाले माल वाहक जहाज और ऑयल या गैस टैंकर की आवाजाही लगभग ठप पड़ी हुई है। ईरान द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी कर देने के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराने लगा है। ऐसी स्थिति में भारत के ऑयल और गैस टैंकर्स के इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने से भारत की कूटनीतिक सफलता जग जाहिर हो गई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण वहां दुनिया भर के जहाज फंसे हुए हैं। वहीं भारत एक-एक कर अपने जहाजों को वहां से सुरक्षित निकाल रहा है। ग्रीन सानवी समेत अभी तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। इनमें ग्रीन सानवी के अलावा शिवालिक, नंदा देवी, जग लाड़की, पाइन गैस, जग वसंत, बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एल्म के नाम शामिल हैं।

■ युद्ध के बावजूद भी ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर भारत की वार्ता जारी है।

इन आठ जहाजों के अलावा, दो और जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम के भी आने वाले दिनों में होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर भारत पहुंचने की उम्मीद है। इस तरह भारत का नाम उन देशों में शामिल हो गया है, जिनके सबसे ज़्यादा जहाज युद्ध प्रभावित होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरे हैं। इससे भारत की ऊर्जा सप्लाई बनी हुई है और आम लोगों की ईंधन की जरूरत पूरी हो रही है।

जानकारों का कहना है कि इन जहाजों के सुरक्षित गुजरने से यह साफ है कि भारत ने मुश्किल हालात में भी अपनी ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखा है। भारत के आठ जहाजों के सुरक्षित निकल जाने के बावजूद, इस समय 15 से ज्यादा भारतीय झंडे वाले जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट के मुहाने पर मौजूद हैं, जिन पर करीब 485 भारतीय नाविक सवार हैं। उम्मीद की जा रही है कि भारत सरकार ईरान से बातचीत कर जल्दी ही इन जहाजों को भी होर्मुज़ के रास्ते सुरक्षित निकालने में सफल रहेगी।

राहत की बात ये है कि युद्ध के बावजूद ईरान के साथ भारत सरकार लगातार कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रखे हुए है। इसी बातचीत के कारण पिछले सप्ताह ही ईरान ने कहा था कि अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के अलावा मित्र देशों के जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में होर्मुज़ को पार कर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि होर्मुज़ स्ट्रेट उन देशों के लिए चालू है, जो तेहरान के साथ जुड़े हुए हैं और जिन्हें दोस्त माना जाता है। इस क्रम में उन्होंने भारत का उल्लेख भी दोस्त के रूप में किया था।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908